[श्री श्यामवर सत्य है]

अनन्त श्री स्वामी लालदास जी
प्रणीत

बीतक

श्री १०८ प्राणनाथजी की आद्य गद्दी महामंगलपुरी
धाम, के आचार्य श्री १०८ मंगलदास जी
महाराज के आदेशानुसार

सम्पादक—
प्रोफेसर मातावदल जायसवाल [यू० पी०]
देवकृष्ण शर्मा शास्त्री साहित्यरत्न [आसाम]

प्रकाशक—

सेठ श्री बलभजी लालजी तथा
सेठ श्री मणिलाल कुँअरजी,
वाघेला बांकुड़ा (बंगाल)

ब्रह्मचारी मोहन प्रणामी (नेपाल)
प्रणामी साहित्य संस्थान
इलाहाबाद